आदिकालीन चर्यापदों का परवर्ती हिन्दी साहित्य पर प्रभाव

अनुक्रमणिका

अध्याय	विषय	पृष्ठ संख्या
प्राक्कथन		I-V
अध्याय 1	**चर्यापदों एवं चर्याचार्यों का परिचय**	1-120
	1. क. 'चर्या' शब्द का अर्थ, परिभाषा, व्युत्पत्ति एंवं विविध रूप	
	1. ख. बौद्धों के विविध संप्रदाय-	
	i. हीनयान - स्थवीरवाद	
	ii. महायान - महासंघिका	
	1. ग. सिद्धों का परिचय	
	1. घ. तांत्रिक पद्धति में चर्यापद	
	i. बौद्धपूर्व तंत्र की अवधारणा	
	ii. बौद्ध तांत्रिक विश्वास	
	iii. पंच मकार की साधना	
	iv. यौगिक साधना	
	1. ङ. नाथ एवं सिद्धों में भेद	
	1. च. साधना पद्धति	
	i. साधना में विशृंखल अवस्था	
	ii. तांत्रिक आचारों का पतन	
	1. छ. चर्यापदों का महत्व	
	1. ज. चर्यापदों में कापालिक साधना	
	1. झ. चर्याचार्यों का परिचय	
अध्याय 2	**चर्यापदों का साहित्यिक विवेचन**	**121-252**
	2. क. भाव सौंदर्य	
	i. भक्ति सौंदर्य	
	ii. भाव दर्शन	
	iii. रस विवेचन	
	iv. प्रकृति वर्णन	

2. ख. कला सौंदर्य
i. भाषा
ii. शब्द योजना
iii. बिंब विधान
iv. प्रतीकात्मकता
v. अलंकार योजना
vi. राग विचार
vii. छंद योजना

अध्याय 3 **आदिकालीन साहित्य पर प्रभाव** **253-320**

3. क. आदिकालीन साहित्य : सामान्य विवेचन
i. साहित्यिक रूप
ii. प्रमुख प्रवृत्तियाँ
3. ख. आदिकालीन साहित्य पर चर्यापदों का प्रभाव
i. भाव की दृष्टि से
ii. कला की दृष्टि से
3. ग. आदिकालीन लौकिक साहित्य पर प्रभाव
i. खुसरो पर बौद्ध प्रभाव
ii. विद्यापति पर बौद्ध प्रभाव

अध्याय 4 **भक्तिकालीन कविता पर प्रभाव** **321-439**

4. क. भक्तिकालीन कविता : सामान्य विवेचन
i. साहित्यिक रूप
ii. भक्ति की भाव भूमि
iii. दार्शनिक आधार
4. ख. सगुण काव्यधारा पर चर्यापदों का प्रभाव
i. भाव की दृष्टि से
ii. कला की दृष्टि से
4. ग. निर्गुण ज्ञानाश्रयी शाखा पर चर्यापदों का प्रभाव
i. भाव की दृष्टि से
ii. कला की दृष्टि से
4. घ. प्रेमाश्रयी शाखा (सूफी) पर चर्यापदों का प्रभाव
i. भाव की दृष्टि से
ii. कला की दृष्टि से

4. ङ. रामचरितमानस पर चर्यापदों का प्रभाव

4. च. सूरसागर पर चर्यापदों का प्रभाव

अध्याय 5 **रीतिकालीन कविता पर प्रभाव** **440-529**

5. क. रीतिकालीन कविता : सामान्य विवेचन
   i. प्रवृत्तियाँ
   ii. रीतिकवियों के विविध वर्ग
5. ख. रीति काव्य पर चर्यापदों का प्रभाव
   i. भाव परक प्रभाव
   ii. कला परक प्रभाव
5. ग. चर्यापदों का मतिराम पर प्रभाव
5. घ. केशव दास पर चर्यापदों का प्रभाव
5. ङ. अन्य रीतिबद्ध कवियों पर चर्यापदों का प्रभाव
5. च. रीतिमुक्त कवियों पर चर्यापदों का प्रभाव
5. छ. रीतिसिद्ध कवि बिहारी पर चर्यापदों का प्रभाव

अध्याय 6 **आधुनिककालीन कविता पर प्रभाव** **530-608**

6. क. आधुनिककालीन कविता : सामान्य विवेचन
   i. प्रवृत्तियाँ
   ii. आधुनिककाल की विविध युग
6. ख. कामायनीय पर बौद्ध प्रभाव
6. ग. उर्वशी पर चर्यापदों का प्रभाव
6. घ. मधुशाला पर चर्यापदों का प्रभाव
6. ङ. राम की शक्तिपूजा पर चर्यापदों का प्रभाव
6. च. असाध्य वीणा पर चर्यापदों का प्रभाव

उपसंहार **609-618**